web: www.nyaysakshi.com | पृष्ठ-2 में पढ़ें संपादकीय-खेल-व्यापार-धर्म-खाना खजाना-राशिफल | पृष्ठ-3 में पढ़ें छत्तीसगढ़-प्रादेशिक

Social Justice Union (Govt. Registered)

दैनिक न्याय साक्षी

अधिकार से न्याय तक

आवश्यक सूचना

आप सभी को सूचित करते हर्ष हो रहा है, कि न्यायससाक्षी अधिकार से न्याय तक का सर्वे का कार्य तेजी से चल रहा है, जल्द ही सर्वे की टीम आपके घर विजिट करेगी, कृपया अपनी प्रति सुरक्षित कराएं।

RNI NO - CHHHIN/2018/76480 | Postal Registration No-055/Raigarh DN CG | रायगढ़, रविवार 07 जुलाई 2024 | पृष्ठ-4, मूल्य 3 रुपए | वर्ष-06, अंक- 280

महत्वपूर्ण एवं खास

नीट यूजी काउंसलिंग स्थगित, नई तारीख का ऐलान जल्द

नई दिल्ली (आरएनएस)। नीट यूजी परीक्षा से जुड़ी नई खबर सामने आई है। खबर यह है कि स्नातक मेडिकल पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए नीट यूजी काउंसलिंग स्थगित कर दी गई है। सूत्रों से पता चला है कि नीट यूजी काउंसलिंग को अगली सूचना तक स्थगित किया गया है। नीट यूजी की ऑल इंडिया कोटा सीट्स यानी एआईक्यू काउंसलिंग आज से शुरू होने वाली थी। 11 जून को सुप्रीम कोर्ट में याचिका लगाकर काउंसलिंग पर रोक लगाने की मांग की गई थी। जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस असदुद्दीन ने सुनवाई के बाद काउंसलिंग पर रोक लगाने से इनकार कर दिया था। इसके बाद 20 जून को एक और याचिका पर सुनवाई करते हुए जस्टिस विक्रम नाथ की बेंच ने हृश्वश्वञ्ज काउंसलिंग पर रोक लगाने से दोबारा इनकार किया था।

दिल्ली शराब नीति मामले में मनीष सिसोदिया को नहीं मिली राहत, न्यायिक हिरासत 15 जुलाई तक बढ़ी

नई दिल्ली (आरएनएस)। दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने शराब नीति से जुड़े सीबीआई केस में पूर्व डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया की न्यायिक हिरासत 15 जुलाई तक बढ़ा दी है। राउज एवेन्यू कोर्ट ने इससे पहले सिसोदिया की कस्टडी 6 जुलाई तक बढ़ाई थी। आज उनकी हिरासत खत्म हो रही थी। कोर्ट में पेशी के बाद उन्हें वापस तिहाड़ ले जाया गया। 3 जुलाई को दिल्ली की एक अदालत ने शराब नीति से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में सिसोदिया की न्यायिक हिरासत 25 जुलाई तक बढ़ाई थी। सीबीआई ने सिसोदिया को 26 फरवरी, 2023 को गिरफ्तार किया था। ईडी ने न्यायिक हिरासत के दौरान उन्हें 9 मार्च, 2023 को गिरफ्तार किया था। सिसोदिया तब से तिहाड़ जेल में हैं।

बारिश के बीच काल बनकर गिर रही बिजली, वज्रपात से 9 लोगों की मौत; सीएम ने किया मुआवजे का ऐलान

पटना (आरएनएस)। बिहार के विभिन्न जिलों में पिछले 24 घंटों के दौरान वज्रपात की चपेट में आने से नौ लोगों की मौत हो गई। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने मृतकों के आश्रितों को चार-चार लाख रुपये अविलंब अनुग्रह अनुदान देने का निर्देश दिया है। आपदा प्रबंधन विभाग के मुताबिक, पिछले 24 घंटे के दौरान वज्रपात की चपेट में आने से जहानाबाद में तीन और मधेपुरा में दो लोगों की मौत हो गई, जबकि पूर्वी चंपारण, रोहतास, सारण तथा सुपौल में एक -एक व्यक्ति को जान गंवानी पड़ी। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने इन घटनाओं पर गहरी शोक संवेदना व्यक्त की है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आपदा की इस घड़ी में वे प्रभावित परिवारों के साथ हैं। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को शनिवार को ही चार-चार लाख रुपये अनुग्रह अनुदान देने के निर्देश दिये हैं। मुख्यमंत्री ने लोगों से अपील की है कि सभी लोग खराब मौसम में पूरी सतर्कता बरतें। खराब मौसम होने पर वज्रपात से बचाव के लिये आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा समय-समय पर जारी किये गये सुझावों का अनुपालन करें। खराब मौसम में घरों में रहें और सुरक्षित रहें।

सूरत में भरभराकर गिरी पांच मंजिला इमारत; कई लोगों के दबे होने की आशंका

सूरत (आरएनएस)। गुजरात के सूरत में एक पांच मंजिला इमारत गिर गई। इस घटना में करीब 15 लोगों के घायल होने की खबर सामने आ रही है, वहीं कई लोग मलबे के नीचे दबे हुए बताए जा रहे है। घटना की जानकारी मिलते ही रेस्क्यू टीम तुरंत मौके पर पहुंची और रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया। फिलहाल इमारत का मलबा हटाने का काम किया जा रहा है। मलबे के नीचे कुछ लोगों के फंसे होने की आशंका है। बताया जा रहा है कि इमारत जर्जर हो चुकी थी लेकिन फिर भी लोग अपनी जान जोखिम में डालकर वहां रह रहे थे। वहीं घटना वाली जगह पर राहत कार्य जारी है।

चीन के शांदोंग प्रांत में शक्तिशाली तूफान, पांच की मौत

जिनान । पूर्वी चीन के शांदोंग प्रांत के हेज शहर में आए शक्तिशाली तूफान में पांच लोगों की मौत हो गयी है। हेज के आपातकालीन प्रबंधन ब्यूरो ने शनिवार को बताया कि दोपहर को डोंगमिंग काउंटी और जुआनचेंग काउंटी में आए भयंकर तूफान में 88 लोग घायल हो गये। इनमें से पांच लोगों की उपचार के दौरान मौत हो गयी। प्रारंभिक जांच से पता चला है कि आपदा में कुल 2,820 घर, 60,900 म्यू (4,060 हेक्टेयर) फसलें और 48 बिजली आपूर्ति लाइनें क्षतिग्रस्त हो गयीं।

23 जुलाई को पेश होगा मोदी 3.0 का पहला बजट, मिडिल क्लास को बड़े तोहफे की उम्मीद

नई दिल्ली । आरएनएस

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण वित्त वर्ष 2024-25 के लिए आम बजट 23 जुलाई को पेश करेंगी। केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने शनिवार को यह जानकारी दी। संसद का बजट सत्र 22 जुलाई को शुरू होगा और 12 अगस्त तक चलेगा।

केंद्रीय मंत्री की ओर से एक्स पर की गई एक पोस्ट में लिखा गया कि भारत सरकार के सुझाव पर आदरणीय राष्ट्रपति जी ने संसद के दोनों सदनों में 22 जुलाई से लेकर 12 अगस्त तक बजट सत्र रखने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। केंद्रीय बजट 23 जुलाई, 2024 को लोकसभा में पेश किया जाएगा।

बता दें, भारत में जिस वर्ष लोकसभा चुनाव होते हैं। उस दौरान एक बजट चुनाव से पहले और एक बजट चुनाव के बाद पेश किया जाता है। चुनाव के पहले पेश होने वाले बजट को अंतरिम बजट कहा जाता है। ये आमतौर पर सरकार की आय और व्यय का लेखा जोखा होता है। चुनाव के बाद नई सरकार पूर्ण बजट पेश करती है। यह अन्य वर्षों के बजट की तरह होता है।

23 जुलाई को आने वाला आम बजट मोदी 3.0 का पहला बजट होगा। इसके जरिए सरकार की दिशा और नीतियों की जानकारी मिलेगी। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा 2.1 लाख करोड़ रुपये का डिविडेंड दिए जाने और कम राजस्व घाटे के चलते सरकार के पास कल्याणकारी योजनाओं पर खर्च करने के लिए काफी जगह है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से पहले ही ऐलान किया जा चुका है कि गरीबी के खिलाफ लडऩे के लिए अगले पांच वर्ष काफी अहम होने वाले हैं। ऐसा माना जा रहा है कि इस बजट में सरकार फोकस देश के विकास की गति को बढ़ाने और अधिक रोजगार पैदा करने को लेकर होगा। मौजूदा समय में भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती हुई अर्थव्यवस्था है। वित्त वर्ष 2023-24 में जीडीपी वृद्धि दर 8.2 प्रतिशत रही थी, जो कि चालू वित्त वर्ष में 7.2 प्रतिशत रहने का अनुमान है।

जीसीसी और स्टार्टअप्स ने पिछले पांच वर्षों में पैदा किए 8 करोड़ रोजगार : केंद्रीय श्रम सचिव

नई दिल्ली । आरएनएस

ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर्स (जीसीसी) और स्टार्टअप्स भारत में नौकरियां पैदा करने में बड़ी भूमिका निभा रहे हैं। पिछले पांच वर्षों में इन दोनों क्षेत्रों ने साथ मिलकर आठ करोड़ रोजगार के अवसर पैदा किए हैं।

केंद्रीय श्रम और रोजगार मंत्रालय में सचिव सुमिता डावरा की ओर से यह जानकारी राष्ट्रीय राजधानी में कॉन्फेडरेशन ऑफ इंडियन इंडस्ट्री (सीआईआई) और एम्प्लॉयर्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (ईएफआई) के एक इवेंट में पीरियोडिक लेबर फोर्स सर्वे (पीएलएफएस) के हवाले से दी गई।

उन्होंने आगे कहा कि मंत्रालय द्वारा श्रम कानूनों का गैर-अपराधीकरण और वर्कफोर्स में महिलाओं की भागीदारी को बढ़ाने के कारण व्यापार में आसानी हुई है। सामाजिक सुरक्षा और श्रम कल्याण जैसे सुधारों से भारत की वृद्धि दर को और सहारा मिलेगा।

डावरा ने आगे बताया कि 29 श्रम कानूनों को चार श्रम कानूनों में बदला जा चुका है। नेशनल करियर सर्विस पोर्टल को एक्टिव किया जा चुका है। स्किल मंत्रालय की ओर से मिले डेटा को एकीकृत किया जा चुका है।

भारत में एक करोड़ के करीब गिग वर्कर्स हैं और 2030 तक इनकी संख्या बढक़र 2.4 करोड़ पहुंचने की उम्मीद है।

बता दें, सरकार की ओर से एक टास्क फोर्स का भी गठन किया गया है, जो आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के काम पर प्रभाव को स्टडी कर रही है।

बीएचयू के छात्र ने बनाई पीएम मोदी की 8 एमएम की पेंटिंग, वर्ल्ड ग्रेटेस्ट रिकॉर्ड में दर्ज हुआ नाम

वाराणसी । आरएनएस

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के देश दुनिया में लाखों चाहने वाले हैं। खास तरह की पेंटिंग और पोट्रेट बनाकर लोग उनके प्रति अपना प्रेम और सम्मान भी व्यक्त करते हैं। ऐसी ही एक बेहद खास चित्रकारी पीएम मोदी के संसदीय क्षेत्र वाराणसी के रहने वाले सुनील कुमार मौर्या ने की है। बीएचयू के पीएचडी छात्र सुनील ने पीएम नरेंद्र मोदी की 8 एमएम की पेंटिंग बनाई है।

सुनील ने बताया कि यह अब तक की सबसे छोटी पेंटिंग है। इसके साथ ही उसने वर्ल्ड ग्रेटेस्ट रिकॉर्ड में अपना नाम दर्ज करा लिया। उसने कहा कि पीएम मोदी तीसरी बार हमारे देश के प्रधानमंत्री बने हैं। इसलिए उनके सम्मान में मैंने यह पेंटिंग बनाई है।

सुनील ने बताया कि उसे यह खास तरह की पेंटिंग बनाने की तैयारी में एक महीना का समय लगा, जिसके लिए उसने कड़ी मेहनत की। पहले उसने छोटी-छोटी पेंटिंग बनाकर इसकी खूब प्रैक्टिस की। इसके बाद लेंस की सहायता से उसने मिनटों में इस पेंटिंग को तैयार कर दिया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पेंटिंग बनाने के लिए उसको पेंटिंग टीचर पूनम राय ने प्रोत्साहित किया। टीचर ने बताया कि सुनील बहुत अच्छा छात्र है, उसकी पेंटिंग में बेहद रूचि है। उसके काम को देखकर लगता है कि वो देश के लिए बहुत अच्छा करेगा।

टीचर ने कहा, मैंने उसको पीएम मोदी की पेंटिंग बनाने का टास्क दिया था, जिसको उसने बखूबी पूरा किया। इसके लिए उसने कड़ी मेहनत की। उसने एक बेहतरीन रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है। मैं चाहूंगी कि सुनील प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आगामी जन्मदिन 17 सितंबर के अवसर पर उन्हें यह पेंटिंग भेंट करे।

कांवड़ यात्रा, मोहर्रम को लेकर पुलिस करेगी व्यापक इंतजाम, सुरक्षा को लेकर की बैठक

नोएडा । आरएनएस

नोएडा पुलिस ने आने वाले दिनों में कांवड़ यात्रा और मोहर्रम को देखते हुए व्यापक इंतजाम शुरू कर दिए हैं। सुरक्षा व्यवस्था को चाक चौबंद करने के लिए अधिकारी लगातार लोगों के बीच बैठक कर रहे हैं।

नोएडा के हर जोन में बैठक कर पुलिसकर्मी लोगों को नए कानून की जानकारी दे रहे हैं। पुलिस कमिश्नर गौतमबुद्ध नगर लक्ष्मी सिंह के निर्देशानुसार डीसीपी नोएडा रामबदन सिंह की देखरेख में और एडीसीपी नोएडा मनीष कुमार मिश्र के निर्देशन में एसीपी नोएडा-1 प्रवीण कुमार ने थाना सेक्टर 39 क्षेत्र में आगामी कांवड यात्रा, मोहर्रम तथा तीनों नये कानूनों के संबंध में पदाधिकारियों व नागरिकों के साथ बैठक कर उन्हें जागरूक किया।

प्रवीण कुमार ने तीनों नये कानूनों (भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, भारतीय साक्ष्य अधिनियम-2023) में महत्वपूर्ण बदलावों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। इस बीच उन्होंने कहा कि नये कानून आमजन की सुविधा के लिए बनाये गये हैं। तीनों नये कानूनों की मदद से पीड़ितों को तुरंत न्याय मिलेगा।

नए कानून से आम जनता को कोई भी परेशानी नहीं होगी। अब मुकदमा दर्ज करना काफी आसान हो जाएगा और लोगों को सहूलियत भी होगी।

गौरतलब है कि मोहर्रम 7 जुलाई से शुरू हो रहे हैं और कावड़ यात्रा 22 जुलाई से लेकर 2 अगस्त तक चलेगी। इसको ध्यान में रखते हुए पुलिस प्रशासन पूरी तरीके से सुरक्षा व्यवस्था को चाक चौबंद करने में लगा है।

कावड़ यात्रा में लाखों श्रद्धालु नोएडा से होते हुए हरिद्वार की तरफ जाते हैं। कावड़ यात्रा के दौरान ट्रैफिक डायवर्जन भी किया जाएगा, जिसके लिए प्लान अभी से तैयार किया जा रहा है।

दिल्ली, नोएडा, गाजियाबाद और हरियाणा से लाखों भक्त इस कावड़ यात्रा में शामिल होते हैं। इसलिए उत्तर प्रदेश सरकार इस यात्रा को पूरी तरीके से सुरक्षित बनाने के लिए अभी से अपने प्रयास में जुट गई है।

घटना से दुखी हूं, दोषी बख्शे नहीं जाएंगे

हाथरस कांड के बाद सामने आया 'भोले बाबा' का पहला वीडियो

हाथरस । आरएनएस

उत्तर प्रदेश के हाथरस में दो जुलाई को सत्संग के बाद मची भगदड़ में 121 लोगों की मौत हुई। इस मामले में अब सूरजपाल उर्फ 'भोले बाबा' का पहला बयान सामने आया है। इसमें उसने हादसे पर दुख जताते हुए सरकार और प्रशासन से अपेक्षा की है कि अराजकता फैलाने वाले किसी भी व्यक्ति को बख्शा न जाए। मामले में शुक्रवार को मुख्य आरोपी मधुकर को गिरफ्तार किया गया। भोले भोले बाबा हादसे के बाद से ही गायब है। उसके मैनपुरी के बिछवां स्थित आश्रम में छिपे होने की आशंका जताई जा रही है।

नारायण हरि साकार के नाम से प्रसिद्ध सूरजपाल उर्फ भोले बाबा ने एक वीडियो बयान में कहा है 'ज् मैं 2 जुलाई की घटना के बाद बहुत दुखी हूं। भगवान हमें इस दर्द को सहन करने की शक्ति दें।' भोले बाबा ने लोगों से सरकार और प्रशासन से विश्वास बनाए रखने की अपील करते हुए कहा कि अराजकता फैलाने वाले किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगाज्

इस वीडियो में सूरजपाल उर्फ भोले बाबा ने दावा किया कि उसने अपने वकील एपी सिंह के माध्यम से समिति के सदस्यों से शोक संतप्त परिवारों और घायलों के साथ खड़े रहने और जीवन भर उनकी मदद करने का अनुरोध किया है।

हादसे वाले दिन शाम 4:35 बजे तक भोले बाबा की लोकेशन मिलती रही। उसकी आखिरी लोकेशन मैनपुरी ही मिली थी। उसके बाद से फोन बंद जा रहा है। बाबा के मैनपुरी के बिछवां स्थित आश्रम में छिपे होने की आशंका है। बाबा की ओर से जारी किया गया स्पष्टीकरण पत्र भी मैनपुरी आश्रम से ही निकला था।

हाथरस कांड मुख्य आरोपी मधुकर गिरफ्तार

हाथरस में हुए हादसे के मुख्य आरोपी देव प्रकाश मधुकर को शुक्रवार को देर शाम दिल्ली से गिरफ्तार कर लिया गया। हाथरस के एसपी निपुण अग्रवाल ने इसकी पुष्टि की है। उधर मधुकर के अधिवक्ता ए पी सिंह का दावा है कि उसने खुद पुलिस के सामने आत्मसमर्पण किया है। यूपी पुलिस ने देव प्रकाश मधुकर पर एक लाख का इनाम घोषित किया था। हादसे के बाद फरार चल रहे मधुकर के विरुद्ध हाथरस जिले के सिकंदराराऊ थाने में मुकदमा दर्ज किया गया था। मधुकर नारायण हरि साकार उर्फ भोले बाबा का मुख्य सेवादार है।

मुंबई में डैम के पास केकड़े पकडऩे गए पांच बच्चे पहाड़ी पर फंसे, एनडीआरएफ ने देर रात रेस्क्यू किया

मुंबई । आरएनएस

ठाणे में मुंब्रा खादी मशीन डैम के पास पहाड़ी पर झरने के बीच केकड़े पकडऩे गए पांच बच्चे शुक्रवार शाम को फंस गए। सूचना पाकर एनडीआरएफ और फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची।

टीम को बारिश के कारण बच्चों को रेस्क्यू करने में काफी परेशानी आई। पहाड़ी पर ये बच्चे सात से आठ घंटे तक फंसे रहे। कुछ घंटों तक चले ऑपरेशन के बाद सभी बच्चों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया।

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, टीम ह्यूमन चेन बनाकर बच्चों तक पहुंची और उन्हें सुरक्षित रेस्क्यू किया। बच्चों की उम्र 8 साल से 10 साल के बीच है। सभी बच्चे सुरक्षित बताए जा रहे हैं। यह बच्चे मुंब्रा के आजाद नगर इलाके के रहने वाले हैं।

फायर ऑफिसर गणेश केदारे ने बताया कि हमें शुक्रवार रात करीब 8:30 बजे फोन आया कि कुछ बच्चे पहाड़ी पर फंस गए हैं। इसके बाद हमारी टीम तुरंत मौके पर पहुंची। सभी पांच बच्चों को बचा लिया गया है और वे सुरक्षित हैं।

सात दिन में डेढ़ लाख से ज्यादा श्रद्धालुओं ने किए बाबा बर्फानी के दर्शन

जम्मू । आरएनएस

कश्मीर में अमरनाथ मंदिर में पिछले सात दिनों में 1.50 लाख से ज्यादा श्रद्धालुओं ने बाबा बर्फानी के दर्शन किए। वहीं 5 हजार 871 यात्रियों का एक और जत्था शनिवार को कश्मीर के लिए रवाना हुआ।

अमरनाथजी श्राइन बोर्ड (एसएएसबी) के अधिकारियों ने बताया कि सात दिनों में अब तक 1.50 लाख से अधिक तीर्थयात्री यात्रा कर चुके हैं।

एसएएसबी के अधिकारियों ने बताया, आज 5,871 यात्रियों का एक और जत्था दो सुरक्षा काफिलों के साथ जम्मू के भगवती नगर यात्री निवास से घाटी के लिए रवाना हुआ। इनमें से 2,112 यात्रियों का पहला जत्था 110 वाहनों में सवार होकर सुबह 2:50 बजे उत्तरी कश्मीर के बालटाल आधार शिविर के लिए रवाना हुआ, जबकि 3,759 यात्रियों को लेकर 134 वाहनों का दूसरा काफिला सुबह 3:50 बजे दक्षिण कश्मीर के नुनवान (पहलगाम) बेस कैंप के लिए रवाना हुआ।

अधिकारियों ने कहा, यात्रा 29 जून को शुरू होने के बाद से बिना किसी रुकावट के सुचारू रूप से चल रही है।

श्रद्धालु या तो 48 किलोमीटर लंबे पारंपरिक पहलगाम गुफा मंदिर मार्ग से यात्रा करते हैं या फिर 14 किलोमीटर लंबे बालटाल मार्ग से यात्रा करते हैं।

पहलगाम मार्ग का उपयोग करने वालों को गुफा मंदिर तक पहुंचने में चार दिन लगते हैं, जबकि बालटाल मार्ग का उपयोग करने वाले लोग गुफा मंदिर के अंदर 'दर्शन' करने के बाद उसी दिन आधार शिविर लौट आते हैं।

दोनों मार्गों पर और पारगमन शिविरों ताथ गुफा मंदिर में 124 से अधिक लंगर (सामुदायिक रसोई) बनाये गए हैं। इस साल की यात्रा के दौरान 7 हजार से ज्यादा सेवादार यात्रियों की सेवा कर रहे हैं। दोनों मार्गों पर यात्रियों के लिए हेलीकॉप्टर सेवाएं भी उपलब्ध हैं।

भारी बारिश के चलते अमरनाथ यात्रा अस्थायी रूप से रोकी गई

श्रीनगर (आरएनएस)। जम्मू-कश्मीर में भारी बारिश के कारण शनिवार को अमरनाथ तीर्थयात्रा को अस्थायी रूप से रोक दिया गया है। उत्तर और दक्षिण कश्मीर के दोनों बेस कैंप से चलने वाली यात्रा को फिलहाल रोक दिया गया है। अधिकारियों ने कहा कि भारी बारिश के कारण उत्तरी कश्मीर के बालटाल और दक्षिण कश्मीर के नुनवान (पहलगाम) बेस कैंप से यात्रियों की आवाजाही अस्थायी रूप से रोक दी गई है। बालटाल बेस कैंप से यात्रियों को गुफा मंदिर तक पैदल या टट्टुओं पर 14 किलोमीटर लंबा रास्ता तय करना पड़ता है, जबकि पारंपरिक नुनवान (पहलगाम) बेस कैंप से जाने वालों को 48 किलोमीटर की दूरी तय करनी पड़ती है, जिसमें चार दिन एक तरफ से लगते हैं। पहलगाम-गुफा मंदिर मार्ग में पहलगाम से चंदनवारी (24 किलोमीटर), चंदनवारी से शेषनाग (13 किलोमीटर), शेषनाग से पंचतरणी (5 किलोमीटर) और पंचतरणी से गुफा मंदिर (6 किलोमीटर) शामिल हैं। 14 किलोमीटर लंबे बालटाल बेस कैंप मार्ग से जाने वाले लोग गुफा मंदिर के अंदर 'दर्शन' के बाद उसी दिन बेस कैंप लौट आते हैं।